Signature of Invigilators

1. .....

2. .....

# HINDI
# PAPER–III

# DEC–08/05

Roll No. ☐☐☐☐☐
(In figures as in Admit Card)

Roll. No. .....

.....
(in words)

Name of the Areas/Section (if any).....

**Time Allowed : 2-1/2 hours]** **[Maximum Marks : 200**

**Instructions for the Candidates**

1. Write your Roll Number in the space provided on the top of this page.
2. Write name of your Elective/Section if any.
3. Answer to short answer/essay type questions are to be written in the space provided below each question or after the questions in test booklet itself. No additional sheets are to be used.
4. Read instructions given inside carefully.
5. Last page is attached at the end of the test booklet for rough work.
6. If you write your name or put any special mark on any part of the test booklet which may disclose in any way your identity, you will render yourself liable to disqualification.
7. Use of calculator or any other Electronics Devices is prohibited.
8. There is no negative marking.
9. You should return the test booklet to the invigilator at the end of the examination and should not carry any paper outside the examination hall.

**પરીક્ષાર્થીઓ માટે સૂચનાઓ :**

૧. આ પૃષ્ઠના ઉપલા ભાગે આપેલી જગ્યામાં તમારી ક્રમાંક સંખ્યા (રોલ નંબર) લખો.
૨. તમે જે વિકલ્પનો ઉત્તર આપો તેનો સ્પષ્ટ નિર્દેશ કરો.
૩. ટૂંકનોંધ કે નિબંધ પ્રકારના પ્રશ્નોના ઉત્તર દરેક પ્રશ્નની નીચે આપેલી જગ્યામાં જ લખો. વધારાના કોઈ કાગળનો ઉપયોગ કરશો નહીં.
૪. અંદર આપેલી સૂચનાઓ ધ્યાનથી વાંચો.
૫. આ ઉત્તર પોથીમાં અંતે આપેલું પૃષ્ઠ કાચા કામ માટે છે.
૬. આ ઉત્તર પોથીમાં કયાંય પણ તમારી ઓળખ કરાવી દે એવી રીતે તમારું નામ કે કોઈ ચોક્કસ નિશાની કરી હશે તો તમને આ પરીક્ષા માટે ગેરલાયક ગણવામાં આવશે.
૭. કેલકયુલેટર અથવા ઈલેકટ્રોનિકસ સાધનોનો ઉપયોગ કરવો નહીં.
૮. નકારાત્મક ગુણાંક પદ્ધતિ નથી.
૯. પ્રશ્નપત્ર લખાઈ રહે એટલે આ ઉત્તર પોથી તમારા નિરીક્ષકને આપી દેવી. પરીક્ષાખંડની બહાર કોઈ પણ પ્રશ્નપત્ર લઈ જવું નહીં.

**FOR OFFICE USE ONLY**
**MARKS OBTAINED**

| Question Number | Marks Obtained | Question Number | Marks Obtained | Question Number | Marks Obtained |
|---|---|---|---|---|---|
| 1. | | 18. | | | |
| 2. | | 19. | | | |
| 3. | | 20. | | | |
| 4. | | 21. | | | |
| 5. | | 22. | | | |
| 6. | | 23. | | | |
| 7. | | 24. | | | |
| 8. | | 25. | | | |
| 9. | | 26. | | | |
| 10. | | | | | |
| 11. | | | | | |
| 12. | | | | | |
| 13. | | | | | |
| 14. | | | | | |
| 15. | | | | | |
| 16. | | | | | |
| 17. | | | | | |

SEAL

Total Marks obtained .....

Signature of the co-ordinator .....
(Evaluation)

# HINDI

## Paper–III

**नोट :** इस प्रश्नपत्र में **चार (4)** भाग हैं । **सभी** प्रश्नों के उत्तर दीजिए ।

---

## भाग–एक

नोट : निम्नलिखित अवतरण को ध्यानपूर्वक पढ़िये और उससे पूछे गये प्रश्नों के उत्तर अपने शब्दों में लिखिए । प्रत्येक प्रश्न **पाँच (5)** अंकों का है तथा प्रत्येक उत्तर **तीस (30)** शब्दों में होना चाहिए ।

"संस्कृत साहित्य में रस सिद्धान्त सामाजिक के आनंद को साध्य मानने के कारण जिस प्रकार मूल्यवादी धारा का समर्थक माना जा सकता है, उसी प्रकार काव्य में अलंकार–रीति आदि सम्प्रदायों को उनके द्वारा कलापक्ष पर बल दिये जाने के कारण कलावादी धारा का समर्थक स्वीकार करना होगा । हिन्दी साहित्य में प्रेमचंद यदि मूल्यवादी दृष्टि के समर्थक हैं, तो प्रसादजी कलावादी दृष्टि के । इसी प्रकार जहाँ आचार्य द्विवेदी कला का अन्तिम लक्ष्य मानव हित चिन्तन मानते हैं, वहीं इलाचन्द्र जोशी कला में उपदेश या नीति ढूँढ़ना कुत्सित मानते हैं । जोशीजी ने लिखा है – "उच्च अंग की कला के भीतर किसी तत्त्व की खोज करना सौन्दर्य देवी के मंदिर को कलुषित करना है ।" इधर राष्ट्रकवि मैथिलीशरण गुप्त की उक्ति – "मानते हैं जो कला को कला के अर्थ ही, स्वार्थिनी करते कला को व्यर्थ ही ।" – यदि पूर्णतः मूल्यवादी है, तो कविवर दिनकर का यह कथन – "वसन्त का गुलाब और कवि के स्वप्न अपने में पूर्ण होते हैं, वे किसी को कुछ दिखाने के लिए नहीं होते" – पूर्णतः कलावादी

है । यही नहीं, 'साहित्यालोचन' में बाबू श्यामसुन्दर दास भी "उस अवस्था में हमारे लिए 'कला कला के लिए' का इतना ही अर्थ रह जाता है कि कला एक स्वतंत्र सृष्टि है । कला-सौन्दर्य और कला-अभिव्यंजना के अपने कुछ नियम हैं ।" – कलावादी के रूप में मुखरित हुए हैं, जो स्पष्टतः पश्चिम का प्रभाव है ।

1. मैथिलीशरण गुप्त और रामधारी सिंह दिनकर की कला सम्बंधी दृष्टि में अन्तर क्या है ?

2. प्रेमचंद और प्रसाद किस कलादृष्टि के समर्थक हैं ? स्पष्ट कीजिए ।

3. कला के लक्ष्य के विषय में आचार्य द्विवेदी और इलाचन्द्र जोशी की राय बताइए ।

4. 'साहित्यालोचन' के आधार पर श्यामसुन्दर दास का कला सम्बंधी अभिमत स्पष्ट कीजिए ।

5. रस सिद्धान्त को किस धारा का समर्थक माना जा सकता है ?

## भाग-दो

नोट : निम्नलिखित में से प्रत्येक प्रश्न का उत्तर **तीस** शब्दों में लिखिये । प्रत्येक प्रश्न **पाँच** अंकों का है ।

6. कबीर की काव्य कला में उलटबाँसी की भूमिका स्पष्ट कीजिए ।

7. तुलसीदास की भक्ति भावना की विशेषताएँ बताइए ।

8. घनानंद की प्रेम व्यंजना को स्पष्ट कीजिए ।

9. निराला के मुक्त छंद संबंधी विचार बताइए ।

10. नवजागरण की अवधारणा स्पष्ट कीजिए ।

11. रघुवीर सहाय की राजनीतिक चेतना का परीक्षण कीजिए ।

12. अस्तित्ववाद की विशेषताएँ स्पष्ट कीजिए ।

13. प्रेमचंद के आदर्शोन्मुख यथार्थवाद की विवेचना कीजिए ।

14. 'भारत-दुर्दशा' में यथार्थबोध को स्पष्ट कीजिए ।

15. आचार्य रामचन्द्र शुक्लजी के निबंधों के भाषा तत्व की चर्चा कीजिए ।

16. काव्य में ध्वनि का अर्थ स्पष्ट कीजिए ।

17. आचार्य नन्ददुलारे वाजपेयी की सौष्ठववादी आलोचना की विशेषताओं को रेखांकित कीजिए ।

18. क्रोंचे के अभिव्यंजनावाद की विशेषताओं पर प्रकाश डालिए ।

19. अंधेरे में "शोभा-यात्रा" की भूमिका स्पष्ट कीजिए ।

20. गोदान में मीनाक्षी की चारित्रिक विशेषताएँ रेखांकित कीजिए ।

## भाग-तीन

नोट : निम्नलिखित **VI (छह)** ऐच्छिक/वैकल्पिक विभागों में से किसी **एक** विभाग के **सभी** प्रश्नों के उत्तर दीजिये । प्रत्येक प्रश्न का उत्तर **200 (दो सौ)** शब्दों में होना चाहिए । प्रत्येक प्रश्न के **12 (बारह)** अंक हैं ।

### ऐच्छिक-I

21. तुलसी की रामराज्य की कल्पना स्पष्ट कीजिए ।

22. सूरदास के शृंगार वर्णन की विशिष्टताएँ रेखांकित कीजिए ।

23. जायसी की सौन्दर्य दृष्टि पर प्रकाश डालिए ।

24. कबीर के समाज-दर्शन को स्पष्ट कीजिए ।

25. राम भक्ति एवं कृष्ण भक्ति काव्य की तुलना कीजिए ।

### ऐच्छिक-II

21. छायावादी काव्य में निहित सामाजिक चेतना को स्पष्ट कीजिए ।

22. 'कामायनी' के रूपक तत्व का विवेचन कीजिए ।

23. निराला की लम्बी कविताओं की विशेषताएँ बताइए ।

24. पंत की काव्य-यात्रा के विविध सोपानों की चर्चा कीजिए ।

25. महादेवी के काव्य में रहस्यवाद की समीक्षा कीजिए ।

### ऐच्छिक-III

21. उपन्यास में इतिहास और कल्पना के संबंध की चर्चा कीजिए ।

22. स्वाधीन भारत के किन्हीं **दो** प्रमुख उपन्यासों की चर्चा कीजिए ।

23. 'बाणभट्ट की आत्मकथा' में निपुणिका की नारी मुक्ति की आकांक्षा का विवेचन कीजिए ।

24. 'शेखर एक जीवनी' के मनोवैज्ञानिक तत्वों को स्पष्ट कीजिए ।

25. हिंदी कहानी के विकास में जैनेन्द्र के योगदान की चर्चा कीजिए ।

## ऐच्छिक-IV

21. 'शब्दार्थौ सहितौ काव्यम्' की समीक्षा कीजिए ।

22. रीति के प्रकारों पर प्रकाश डालिए ।

23. 'लक्षणामूलाध्वनि' का सोदाहरण विवेचन कीजिए ।

24. सादृश्यमूलक अलंकार वर्ग की चर्चा कीजिए ।

25. भट्टनायक और अभिनव गुप्त की साधारणीकरण सम्बन्धी मान्यता को समझाइए ।

## ऐच्छिक-V

21. शुक्लोत्तर आलोचना में हजारीप्रसाद द्विवेदी के योगदान की चर्चा कीजिए ।

22. डॉ. रामविलास शर्मा की समीक्षा दृष्टि का स्वरूप स्पष्ट कीजिए ।

23. हिन्दी आलोचना में समकालीन आलोचना का प्रदेय बताइए ।

24. नयी कविता के मूल्यांकन के सन्दर्भ में डॉ. नामवर सिंह की भूमिका स्पष्ट कीजिए ।

25. छायावादी काव्य की समीक्षा में नंददुलारे वाजपेयी के अवदान की चर्चा कीजिए ।

## ऐच्छिक-VI

21. अरस्तु के विरेचन सिद्धांत का विवेचन कीजिए ।

22. कल्पना एवं फैन्सी के भेद को स्पष्ट कीजिए ।

23. टी. एस. इलिएट के वस्तुनिष्ठ सह-संबंधी अवधारणा पर प्रकाश डालिए ।

24. 'विखण्डनवाद' के प्रमुख अभिलक्षणों पर प्रकाश डालिए ।

25. 'रूसी-रूपवाद' की विस्तृत व्याख्या कीजिए ।